



Scan to Read in
Details

दिल्ली में मेट्रो और इंटरनेट सेवा बहाल करने, बैरिकेड्स हटाने पर जोर, सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अहम बातें

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन और पुलिस की कार्रवाई से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत के निर्देशों में मेट्रो और इंटरनेट सेवाओं की बहाली तथा सड़कों पर लगाए गए बैरिकेड्स हटाने जैसे मुद्दे प्रमुखता से सामने आए हैं। इन कदमों का उद्देश्य आम नागरिकों की परेशानी कम करना और राजधानी में जनजीवन को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ना है। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के तहत लगाए गए प्रतिबंधों का असर आम लोगों की आवाजाही और रोजमर्रा की गतिविधियों पर पड़ सकता है। मेट्रो सेवा बाधित होने, इंटरनेट बंद रहने और सड़कों पर बैरिकेडिंग के कारण लोगों को आवागमन, कामकाज और संपर्क बनाए रखने में परेशानी होती है। ऐसे में मेट्रो और इंटरनेट सेवाओं को बहाल करने तथा बैरिकेड्स हटाने से संबंधित निर्देश आम जनता के लिए राहत देने वाले माने जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता शहदान फरासत ने प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर घसीटकर बसों में बैठाने

दिल्ली में पाबंदियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- सामान्य समय-सारणी से चलेगी मेट्रो और ट्रेनें।
- इंटरनेट सेवाएं बाधित नहीं करने का निर्देश।
- बैरिकेडिंग की तुरंत समीक्षा के आदेश।
- लोगों की आवाजाही पर नहीं लगेगी बेवजह रोक।



मेट्रो सेवा बहाल होने से आवागमन में मिलेगी सुविधा

दिल्ली में बड़ी संख्या में लोग रोजाना मेट्रो से सफर करते हैं। मेट्रो सेवा प्रभावित होने पर कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों, कारोबारियों और अन्य यात्रियों को वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ता है। इससे सड़कों पर यातायात का दबाव भी बढ़ सकता है। मेट्रो सेवा सामान्य होने से यात्रियों को राहत मिलने के साथ ही शहर में आवागमन सुचारु बनाने में मदद मिल सकती है।

और कुछ लोगों को बसों से बाहर फेंके जाने के आरोपों का मुद्दा उठाया। मीडिया में सामने आए कुछ दृश्यों में फरासत को भी प्रदर्शन के दौरान पुलिस हिरासत में लेते हुए देखा

गया था। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही पर लगी पाबंदियों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ऐसा

इंटरनेट सेवा की बहाली भी अहम

इंटरनेट आज शिक्षा, कारोबार, बैंकिंग, सरकारी सेवाओं और आपसी संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इंटरनेट पर प्रतिबंध लगने से आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो सकती हैं। इंटरनेट सेवा बहाल करने से लोगों को डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करने, जरूरी सूचनाएं प्राप्त करने और अपने कामकाज को सामान्य रूप से संचालित करने में सुविधा मिलेगी।

बैरिकेड्स हटाने से यातायात को राहत

विरोध-प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा कारणों से सड़कों और प्रमुख मार्गों पर बैरिकेड्स लगाए जाते हैं। हालांकि, लंबे समय तक बैरिकेडिंग रहने से यातायात बाधित हो सकता है और स्थानीय निवासियों तथा राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बैरिकेड्स हटाने से संबंधित निर्देशों का क्रियान्वयन होने पर प्रभावित मार्गों पर आवागमन आसान हो सकता है। सुरक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं के बीच संतुलन बनाए रखना इस तरह के मामलों में महत्वपूर्ण होता है।

पुलिस की कार्रवाई और नागरिक सुविधाओं पर नजर

इस मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई और प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रम भी महत्वपूर्ण हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का वास्तविक दायरा, संबंधित पक्षों के लिए दिए गए निर्देश और उनके पालन की समय-सीमा आधिकारिक आदेश के विस्तृत पाठ से ही स्पष्ट होगी।

प्रतीत होता है कि नागरिकों के लिए शहर में स्वतंत्र रूप से आना-जाना मुश्किल हो गया है। इन दलीलों के माध्यम से अदालत के सामने पुलिस की कार्रवाई, हिरासत की

प्रक्रिया और आम नागरिकों की आवाजाही से जुड़े सवाल रखे गए। ये आरोप और दलीलें सुनवाई के दौरान संबंधित वकीलों की ओर से प्रस्तुत की गईं।

पीएम मोदी और सीएम विजय ने चेन्नई मेट्रो के दूसरे चरण के नेटवर्क पर पहली ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को पोर्तुगाल रोड मेट्रो स्टेशन पर बहुप्रतीक्षित चेन्नई मेट्रो रेल के फेज-2 नेटवर्क की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह शहर के बढ़ते पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में एक अहम उपलब्धि है। तमिलनाडु में विजय सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की चेन्नई की पहली यात्रा के दौरान इसका उद्घाटन किया गया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने नेशनल हाईवे, रेलवे और समुद्री सुविधाओं से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स भी लॉन्च किए। पीएम मोदी रविवार को चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे, जहां गवर्नर राजेंद्र अल्लेकर और सीएम विजय ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए मंत्री, एआईएडीएमके के जनरल सेक्रेटरी एडप्पादी के पलानीस्वामी, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन और अन्य नेता मौजूद थे। इसके बाद पीएम मोदी और सीएम विजय पोर्तुगाल रोड मेट्रो स्टेशन गए, जहां उन्होंने उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाने से पहले सुविधाओं का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से मेट्रो नेटवर्क और नई ट्रेनों के संचालन की व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी ली। हाल ही में बने पूनामल्ली-वडापलानी कॉरिडोर को 750 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया था। नए रूट पर सेवा के पहले चरण में मेट्रो ट्रेनें 11 स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन में चढ़ने से पहले, पीएम मोदी ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए पेमेंट करके टिकट खरीदा। फिर उन्होंने सीएम



आईआईटी मद्रास में ब्रेन सेंटर का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईआईटी मद्रास में सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर को देश को समर्पित किया। इसके साथ ही अब यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अभियान की शुरुआत भी करेगे, जिसके तहत 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों का अध्ययन कर उनकी कोशिकीय स्तर तक की विस्तृत त्रि-आयामी संरचनाएं तैयार की जाएंगी। इस शोध में भ्रूण अवस्था से लेकर बुढ़ापे तक जीवन के अलग-अलग चरणों को शामिल किया जाएगा। इससे मानव मस्तिष्क की बनावट और उम्र के साथ उसमें होने वाले बदलावों को समझने में शोधकर्ताओं को मदद मिलेगी।

विजय के साथ पोर्तुगाल रोड मेट्रो स्टेशन से पूनामल्ली तक यात्रा की। उद्घाटन यात्रा के दौरान, अधिकारियों ने मेट्रो सिस्टम के कामकाज के बारे में बताया और प्रधानमंत्री को नई सेवा के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने ट्रेन में छात्रों और कर्मचारियों से भी बातचीत की। मेट्रो का उद्घाटन प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा था, जिसमें तमिलनाडु में कई ट्रांसपोर्ट सेक्टर के प्रोजेक्ट्स को लॉन्च करना शामिल था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3,700 करोड़

रुपये की लागत वाली विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में निर्माण के चरण में प्रवेश करने वाले नए प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ जनता के लिए समर्पित किए जा चुके बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 750 करोड़ रुपये की रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। चेन्नई पोर्ट पर, पीएम मोदी ने चार इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया।

सीजेपी की प्रेस वार्ता: आशुतोष बोले- देश में आपातकाल से भी बदतर हालात सीईसी को बचाने पर केंद्र पर बरसे रांका



एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे विरोध के बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रेस वार्ता की। सीजेपी के आशुतोष रांका ने कहा कि केंद्र सरकार ज्ञानेश कुमार को बचा रही है। सीईसी ज्ञानेश कुमार भाजपा को जिताने का काम कर रहे हैं। कल फ्लाइट से हम लोगों को किडनैप किया गया। दिल्ली पुलिस ने बर्बरता की।

उन्होंने कहा कि एक बात जरूर साफ हो चुकी है, जो लड़ाई चुनाव आयोग के खिलाफ थी, ज्ञानेश कुमार के खिलाफ थी, वह लड़ाई नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने अपने खिलाफ बना ली है। मोदी ने यह साफ कर दिया है कि वह कुछ भी कर के ज्ञानेश कुमार को बचाएंगे। उन्होंने साफ कर दिया है कि राजा की जान तोते में है। चुनाव आयोग पूरी तरह मोदी-शाह के आदेश पर काम कर रहा है।

ज्ञानेश कुमार सिर्फ भाजपा को जिताने के लिए काम कर रहे हैं। कल आप सभी लोगों ने देखा कि किस तरह फ्लाइट में घुसकर मुझे, सौरव को और दिपके को गिरफ्तार किया गया। कल ही अभिजीत की दादी का निधन हो गया। इस बारे में अभिजीत को जब बताया गया तब भी दिल्ली पुलिस ने इतना अमानवीय चेहरा दिखाया कि देश के लोगों को शर्म आ रही है। दिपके को जब उनकी दादी के इंतकाल के बारे में बताया गया तो भी दिल्ली पुलिस कैमरा और माइक लेकर खड़ी थी। अभिजीत जरूर अपने गांव गए हैं, लेकिन अब यह लड़ाई शुरू हो चुकी है। अभिजीत दिपके नहीं चाहता था कि जो भी उसका निजी मसला है, वह सार्वजनिक तौर पर उससे जुड़े। वह इसका तमाशा नहीं बनाना चाहता था। आशुतोष रांका ने कहा 'कल फ्लाइट से हम लोगों को किडनैप किया गया। दिल्ली पुलिस ने बर्बरता की। भाजपा ने आपातकाल को भी पीछे छोड़ दिया है।



लखनऊ में शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का संजय निषाद के आवास पर प्रदर्शन, आरक्षण में गड़बड़ी के आरोप

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। शिक्षक भर्ती को लेकर अपनी मांगों के समर्थन में अभ्यर्थियों ने लखनऊ में मंत्री संजय निषाद के आवास का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण के नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई और अपनी मांगों पर कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को वहां से हटाकर ईको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप है कि शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण से जुड़े नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि भर्ती में आरक्षण व्यवस्था के तहत अभ्यर्थियों को मिलने वाले अवसरों और अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल हैं। अभ्यर्थियों ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कराने और भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को दूर करने की मांग की। उनका कहना है कि जब तक उनकी शिकायतों पर उचित कार्रवाई नहीं होती,



तब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाएगा।

संजय निषाद के आवास के बाहर लगाए नारे

अभ्यर्थियों ने मंत्री के आवास के बाहर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि 2018 की 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षण संबंधी विसंगतियों के कारण पात्र अभ्यर्थियों को उनका अधिकार नहीं मिल पाया है। वे भर्ती का संशोधित परिणाम जारी करने और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग कर रहे हैं।

मंत्री ने सुनी अभ्यर्थियों की समस्याएं

प्रदर्शन के दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरक्षण संबंधी विसंगतियों के मामले को मुख्यमंत्री के सामने उठाया जाएगा और समाधान के लिए संबंधित स्तर पर चर्चा की जाएगी। मंत्री ने आरक्षण को संवैधानिक अधिकार बताते हुए कहा कि इसका लाभ पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अभ्यर्थियों की मांगों पर उचित कार्रवाई की जरूरत भी जताई।

पुलिस ने बसों से ईको गार्डन भेजा

मंत्री से मुलाकात और बातचीत के बाद पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को बसों में बैठाकर ईको गार्डन स्थित धरना स्थल भेज दिया। अभ्यर्थी पिछले कई सप्ताह से अपनी मांगों को लेकर वहां धरना दे रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक आरक्षण संबंधी विसंगतियों को दूर कर संशोधित चयन सूची जारी नहीं की जाती और पात्र लोगों को नियुक्ति नहीं मिलती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। अब अभ्यर्थियों की निगाहें सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। उनका कहना है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के निर्देशों का अनुपालन कर भर्ती प्रक्रिया में सामने आई विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए, ताकि लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को राहत मिल सके।

योगी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने वाले परवेज परवाज की जेल में मौत

- सामूहिक दुष्कर्म में काट रहा था आजीवन कारावास
- योगी आदित्यनाथ पर मुकदमा दर्ज कराने को था चर्चित

अमृत उजाला संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर चर्चा में आए परवेज परवाज की गोरखपुर जिला कारागार में मौत हो गई। 72 वर्षीय परवेज लंबे समय से बीमार चल रहा था। शनिवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर जेल प्रशासन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वह दुष्कर्म के मामले में आजीवन सश्रम



कारावास की सजा काट रहा था। परवेज परवाज गोरखपुर के राजघाट थाना क्षेत्र के तुर्कमानपुर का रहने वाला था। वह मधुमेह और उच्च रक्तचाप समेत कई बीमारियों से पीड़ित था। कुछ दिन पहले उसकी आंखों की सर्जरी भी कराई गई थी। रिपोर्टों के मुताबिक,

2007 के गोरखपुर दंगों के बाद आया था चर्चा में

परवेज परवाज वर्ष 2007 में गोरखपुर में हुए दंगों को लेकर तत्कालीन सांसद और वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के बाद सुर्खियों में आया था। उसने अदालत के माध्यम से धार्मिक उन्माद फैलाने के आरोपों को लेकर कार्रवाई की मांग की थी। इस मामले में साक्ष्य के तौर पर एक सीडी पेश की गई थी। जांच में सीडी के साथ छेड़छाड़ और संपादन किए जाने की बात सामने आई। इसके बाद सीडी से जुड़े मामले में परवेज के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हुआ। वर्ष 2024 में इस प्रकरण से संबंधित मामले में अदालत ने उसे सात साल और पांच साल की सजा सुनाई थी।

वह करीब आठ साल से जेल में बंद था। परवेज परवाज को जून 2018 में दर्ज दुष्कर्म के एक मामले में आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में एक महिला ने परवेज और महमूद उर्फ जुमन बाबा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। महिला

ने आरोप लगाया था कि झाड़ू-फूंक के बहाने बुलाकर दोनों ने रिवाल्वर के बल पर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले की सुनवाई के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोनों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अदालत ने दोनों पर 25-25 हजार रुपये

जेल में ही हो चुकी थी साथी की मौत

इस मामले में परवेज के साथ सजा पाने वाले महमूद उर्फ जुमन बाबा की भी पहले जेल में सजा काटने के दौरान मौत हो चुकी थी। अब परवेज परवाज की मौत के साथ इस मामले से जुड़े दोनों दोषियों की मृत्यु हो गई है। परवेज की मौत की खबर सामने आने के बाद वर्ष 2007 के गोरखपुर दंगों और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमे से जुड़ा उसका पुराना घटनाक्रम एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

का जुर्माना भी लगाया था। जुर्माने की राशि में से 40 हजार रुपये पीड़िता के पुनर्वास के लिए देने का आदेश दिया गया था।

काशी में संस्कृति संसद 2026: संस्कृति, राष्ट्र और नई पीढ़ी के सवाल पर होगा व्यापक मंथन

- 3 से 5 नवंबर तक रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में जुटेंगे देशभर के सन्त, विद्वान, संगठक, वैज्ञानिक, युवा और कलाकार

अमृत उजाला संवाददाता

वाराणसी। भारतीय संस्कृति, ज्ञान परम्परा, सांस्कृतिक-सामाजिक मूल्य और नई पीढ़ी के साथ उसके सम्बन्धों पर राष्ट्रीय विमर्श के लिए काशी में 3 से 5 नवंबर तक संस्कृति संसद 2026 का आयोजन किया जाएगा। रुद्राक्ष अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एवं कन्वेंशन सेंटर में होने वाली छठी संस्कृति संसद में सन्तों, विद्वानों, संगठकों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, युवाओं और कलाकारों की भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन गंगा महासभा द्वारा अखिल भारतीय सन्त समिति, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और श्री काशी विद्वत् परिषद के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

आयोजन में देशभर से लगभग तीन हजार सन्तों के जुटने की जानकारी दी गई है। संस्कृति संसद की रूपरेखा केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें युवा संवाद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, चित्रकला, फोटोग्राफी और विभिन्न प्रतियोगिताओं को भी शामिल किया गया है। इसके माध्यम से संस्कृति के आध्यात्मिक, बौद्धिक, सामाजिक और कलात्मक आयामों को एक साझा मञ्च पर प्रस्तुत किया जाएगा। संस्कृति संसद 2026 में मुख्य संस्कृति संसद, Gen Z कॉन्क्लेव, संस्कृति उत्सव,



चित्रकला प्रदर्शनी, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता तथा बच्चों की चित्रकला सहित अन्य सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की

जाएँगी। मुख्य सभागार में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होने वाली संस्कृति संसद में सन्त, विद्वान, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ विभिन्न विषयों पर विचार रखेंगे। समानान्तर रूप से आयोजित Gen Z कॉन्क्लेव में युवा भाषण, तथ्यों एवं ऑकड़ों पर आधारित प्रस्तुतियों, पैल चर्चा और प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी बात रखेंगे। इस कॉन्क्लेव की प्रस्तावित संरचना में लगभग 90 प्रतिशत युवा वक्ताओं और 10 प्रतिशत विशेषज्ञों की भागीदारी रखी गई है। शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित संस्कृति उत्सव में राष्ट्र धर्म संस्कृति संस्कार पर आधारित युवा कलाकारों और सांस्कृतिक समूहों की प्रस्तुतियाँ होंगी। 'राम, कृष्ण और शिव की पावन भूमि उत्तर प्रदेश: धरोहर, संरक्षण, संवर्धन' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय चित्रकला एवं फोटोग्राफी प्रदर्शनियों शिंजो आबे कला दीर्घा में आयोजित की जाएँगी। इसके साथ-

सन्त समाज, विद्वत् परम्परा और युवाओं की भागीदारी पर जोर

आयोजन की संरचना में सन्त समाज और पारम्परिक विद्वत् संस्थाओं के मार्गदर्शन के साथ युवाओं को स्वतन्त्र रूप से विचार रखने का अवसर देना महत्वपूर्ण पक्ष है। एक ओर सन्तों और विद्वानों की भागीदारी भारतीय परम्पराओं तथा ज्ञान-विमर्श को मञ्च प्रदान करेगी, वहीं Gen Z कॉन्क्लेव में युवा समकालीन प्रश्नों पर अपने विचार रख सकेंगे। भारतीय संस्कृति को लेकर राष्ट्रीय विमर्श में परम्परा, आधुनिकता और सामाजिक बदलाव के बीच सम्बन्ध महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। संस्कृति संसद में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की भागीदारी इन विषयों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर उपलब्ध कराएगी। काशी में आयोजित होने वाला यह तीन दिवसीय कार्यक्रम विचार-विमर्श, युवा सहभागिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को एक साथ जोड़ता है। इसकी व्यापकता का आधार यही है कि संस्कृति को केवल अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि समाज, ज्ञान, कला और नई पीढ़ी से जुड़े विषय के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। पत्रकारवार्ता में अखिल भारतीय सन्त समिति एवं गंगा महासभा के राष्ट्रीय महामन्त्री स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती, जगद्गुरु बालक देवाचार्य जी, प्रोफेसर राम नारायण द्विवेदी जी (महामन्त्री- श्रीकाशी विद्वत् परिषद्), गोविन्द शर्मा (महामन्त्री संगठन, गंगा महासभा) और कैलाश आचार्य (कार्यकारी अध्यक्ष- आयोजन समिति) आदेश भट्ट (प्रभारी- युवा विमर्श, Gen Z कॉन्क्लेव), नागेन्द्र सिंह (संयोजक- Gen Z कॉन्क्लेव) उपस्थित रहे।



नवरात्रि में पहली बार बंद हुआ चंद्रिका देवी मंदिर

बाढ़ के पानी से दर्शन बाधित, लखनऊ के अन्य मंदिरों में उमड़ी भीड़

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। शारदीय नवरात्रि के दौरान राजधानी लखनऊ के प्रसिद्ध चंद्रिका देवी मंदिर में इस बार श्रद्धालु दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। मंदिर परिसर तक बाढ़ का पानी पहुंचने के कारण दर्शन बाधित हो गए हैं। नवरात्रि में पहली बार मंदिर बंद होने की खबर से भक्तों को निराशा का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों में माता रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। चंद्रिका देवी मंदिर लखनऊ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में शामिल है। नवरात्रि के दौरान यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। लेकिन बाढ़ के पानी के कारण मंदिर तक पहुंचना और दर्शन करना मुश्किल हो गया है। सुरक्षा और परिस्थितियों को देखते हुए श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। नवरात्रि के दौरान मंदिर बंद रहने से उन भक्तों को परेशानी हो रही है, जो हर साल



यहां माता के दर्शन करने आते हैं। मंदिर के आसपास पानी भरने से सामान्य गतिविधियां भी प्रभावित हुई हैं। मां चंद्रिका देवी मेला विकास समिति और पुलिस प्रशासन की संयुक्त बैठक शुक्रवार को खाटू श्याम मंदिर परिसर में हुई।

बैठक में बाढ़ की स्थिति, मंदिर तक पहुंचने के रास्तों और दुकानदारों की समस्याओं पर चर्चा की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नवरात्र के दौरान मंदिर बंद रखने का निर्णय लिया गया। समिति के

अमावस्या पर भी नहीं हुए दर्शन

शनिवार को अमावस्या के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन की उम्मीद लेकर मंदिर पहुंचे। हालांकि, मुख्य गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें आगे जाने से रोक दिया। श्रद्धालुओं को बताया गया कि मंदिर के आसपास जलभराव है और वहां पहुंचना खतरनाक हो सकता है। इसके बावजूद दर्शन के लिए लोगों का मंदिर पहुंचना जारी रहा।

मंदिर में नियमित पूजा, बाहर लगीं दुकानें

मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक है, लेकिन पुजारियों की ओर से निर्धारित समय और परंपरा के अनुसार मां का श्रृंगार, पूजन और आरती की जा रही है। मंदिर के मुख्य गेट से लेकर खाटू श्याम मंदिर और चंदनकुंड गांव तक मेले की दुकानें भी लगी हुई हैं। फिलहाल बाढ़ का पानी उतरने और रास्तों के सुरक्षित होने का इंतजार किया जा रहा है। प्रशासन की प्राथमिकता श्रद्धालुओं को जलभराव वाले खतरनाक रास्तों पर जाने से रोकना है। स्थिति में सुधार होने पर ही मंदिर में दर्शन दोबारा शुरू करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

अध्यक्ष अखिलेश सिंह चौहान और महामंत्री अनुराग तिवारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे शारदीय नवरात्र पर अपने घरों में ही घट स्थापना कर पूजा-अर्चना करें। उन्होंने बताया

कि यदि बाढ़ का पानी कम होता है और मंदिर तक पहुंचने के रास्ते सुरक्षित हो जाते हैं, तो समिति और प्रशासन स्थिति की समीक्षा कर आगे का निर्णय लेंगे।

अयोध्या पहुंचीं भाजपा सांसद कंगना रनौत

जोरदार स्वागत के बीच किया शोरूम का उद्घाटन

अमृत उजाला संवाददाता

अयोध्या। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के अयोध्या पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। उनके आगमन को लेकर समर्थकों और स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। इस दौरान कंगना रनौत ने एक



शोरूम का उद्घाटन किया और कार्यक्रम में मौजूद लोगों से मुलाकात की। कंगना रनौत के अयोध्या पहुंचने पर स्वागत की विशेष तैयारियां की गई थीं। उनके आगमन की जानकारी मिलने पर कार्यक्रम स्थल पर लोगों की भीड़ जुटी। समर्थकों ने उनका स्वागत किया और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए उत्सुक नजर आए। फिल्म जगत में अपनी पहचान बनाने के बाद राजनीति में सक्रिय हुई कंगना रनौत भाजपा की सांसद हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी अक्सर चर्चा का विषय रहती है। अयोध्या दौरे के दौरान कंगना रनौत ने एक शोरूम का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में स्थानीय लोगों और आयोजकों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से बातचीत भी की। उनके दौरे को लेकर स्थानीय

स्तर पर खास उत्साह देखने को मिला। हालांकि, उनके अयोध्या दौरे के दौरान किसी अन्य राजनीतिक कार्यक्रम या आधिकारिक बैठक की जानकारी सामने नहीं आई है।

फिल्म और राजनीति दोनों में सक्रिय हैं कंगना

कंगना रनौत हिंदी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया है और अपने बेबाक बयानों के लिए भी जानी जाती हैं। राजनीति में आने के बाद वह भाजपा के टिकट पर हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से सांसद चुनी गईं। अयोध्या में उनके स्वागत और शोरूम उद्घाटन का कार्यक्रम उनके दौरे का प्रमुख हिस्सा रहा।

अखिलेश यादव ने जेपीएनआईसी में जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे



अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उनके साथ पार्टी के कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। मौके पर पुलिस की ओर से रोकने की कोशिशों के बावजूद अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं के साथ परिसर के अंदर पहुंच

गए। जयप्रकाश नारायण की जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर जेपीएनआईसी के बाहर पुलिस की तैनाती की गई थी। पुलिस ने परिसर में प्रवेश को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी बीच अखिलेश यादव पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंचे और जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मौके पर राजनीतिक हलचल देखने को मिली। कार्यकर्ताओं ने भी लोकनायक जयप्रकाश नारायण को याद करते हुए उनके विचारों और लोकतांत्रिक मूल्यों को आगे बढ़ाने की बात कही।

जयप्रकाश नारायण के विचारों को किया याद

अखिलेश यादव ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के योगदान को याद करते हुए उन्हें लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जन आंदोलनों का प्रमुख प्रतीक बताया। जयप्रकाश नारायण ने देश में संपूर्ण क्रांति के आंदोलन का नेतृत्व किया था। उनका आंदोलन तत्कालीन राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जाना जाता है।

जेपीएनआईसी को लेकर पहले भी रहा है विवाद

लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को लेकर समाजवादी पार्टी और राज्य सरकार के बीच पहले भी विवाद सामने आते रहे हैं। अखिलेश यादव इस केंद्र में जयप्रकाश नारायण की जयंती पर श्रद्धांजलि देने जाते रहे हैं। परिसर में प्रवेश को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक प्रतिबंधों के कारण कई बार राजनीतिक बयानबाजी भी हुई है। इस बार भी पुलिस की मौजूदगी और अखिलेश यादव के परिसर में पहुंचने के घटनाक्रम ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया।

लखनऊ बाढ़-40 हजार घर डूबे, सड़कों पर चल रहीं नाव

लखनऊ। लखनऊ 13 दिनों से बाढ़ की चपेट में है। 3 लाख से ज्यादा की आबादी प्रभावित है। सबसे भयावह स्थिति फैजुल्लागंज में है। यहां 40-50 हजार से ज्यादा घर आधे से अधिक गोमती नदी के पानी में डूबे हैं। सड़कों पर नाव चल रही हैं। घरों के बाहर खड़ी कारें और बाइकें पानी में डूबी हैं। घरों में रखा राशन खराब हो गया है। लोग घर छोड़कर किराए पर रहने को मजबूर हैं। जलभराव के कारण मां चंद्रिका देवी धाम मंदिर बंद है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब नवरात्र के पहले दिन भक्त मां के दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि, गोमती का जलस्तर थोड़ा घटा है। गरुघाट पर शनिवार शाम 6 बजे जलस्तर 108.54 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जबकि शुक्रवार को यह 108.60 मीटर था। यानी जलस्तर में 0.06 मीटर (6 सेंटीमीटर) की कमी आई है।

भारत-नेपाल सीमा के 300 गांवों तक पहुंचेगी स्वास्थ्य सेवा यात्रा

लखीमपुर-खीरी। श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा के सातवें संस्करण की तैयारियों को लेकर लखीमपुर खीरी में एक बैठक हुई। यह बैठक रविवार 11 अक्टूबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में एनएमओ ने आयोजित की। इस अभियान का लक्ष्य 21 से 24 नवंबर तक भारत-नेपाल सीमा से सटे सात जिलों के करीब 300 गांवों में तीन लाख लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। लखीमपुर खीरी के निवासन ब्लॉक के 25 और पलिया ब्लॉक के 26 गांवों को इसमें शामिल किया गया है। इस अभियान में देशभर से लगभग 1500 डॉक्टर और 150 चिकित्सा संस्थान हिस्सा लेंगे। बैठक में चिकित्सा शिविरों, टीमों की तैनाती और संसाधनों की व्यवस्था पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल जी ने कार्यकर्ताओं से 'नर सेवा, नारायण सेवा' की भावना के साथ सहयोग करने को कहा। बैठक में एनएमओ के अधिकारी, डॉक्टर और अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिजनौर में बैटरी डाला ने बाइक सवार युवक को रौंदा, हादसे में इलेक्ट्रीशियन की मौत

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। रिंग रोड (किसान पथ) पर अली नगर खुर्द के पास एक तेज रफ्तार बैटरी डाला ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। युवक की पहचान कल्लती पश्चिम के शिवकरन के 22 साल के बेटे आशू रावत के रूप में हुई। आशू इलाके में वायरिंग करता था। शिवकरन के मुताबिक, आशू शनिवार रात करीब 10 बजे बिजनौर से काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। उसी दौरान हादसा हो गया। रविवार को पुलिस ने उसका पंचनामा करके पोस्टमॉर्टम कराया। इसके बाद शव को सीधे उसके गांव पहुंचाया। वहां हंगामे की आशंका पर 3 थानों की पुलिस तैनात रही। परिजन का शव घर पहुंचते ही



परिवार में चीख-पुकार मच गई। मौके पर पीएसी के साथ पीजीआई, सरोजनीनगर और बिजनौर थाने की पुलिस तैनात रही। इंसपेक्टर सुनील सिंह, बिजनौर इंसपेक्टर कपिल गौतम और सरोजनीनगर इंसपेक्टर रामदेव प्रजापति समेत भारी पुलिस बल तैनात हो गया। परिजन शव को बिजनौर थाने पर ले जाकर प्रदर्शन करना चाह रहे थे, लेकिन पोस्टमॉर्टम के बाद मोर्चरी से पुलिस शव को गांव लेकर चली गई। परिजनों की सहमति के बाद वे शव का अंतिम संस्कार करने के लिए रवाना हो गए। मृतक के पिता शिवकरन ने बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। मृतक के परिवार में उसके पिता शिवकरन के अलावा मां संगीता, छोटा भाई आयुष और बहन अनामिका है। बिजनौर पुलिस ने बताया कि डाला (यूपी32टीटी8086) को ड्राइवर छोड़कर भाग गया था। पुलिस ने डाला को कब्जे में ले लिया है।



ध्रुव राठी का नया वीडियो: 'मुझे गिरफ्तार नहीं, किडनेप किया गया' पासपोर्ट दिखाकर बोले- मैं भारतीय नागरिक हूँ

एजेंसी

गुरुग्राम। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने हिरासत में लिए जाने के बाद अपना पक्ष रखते हुए सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए और अपना पासपोर्ट दिखाते हुए कहा कि वह भारतीय नागरिक हैं और हमेशा भारतीय नागरिक ही रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें गिरफ्तार या हिरासत में नहीं लिया गया, बल्कि उनके घर से जबरन उठाया गया। ध्रुव राठी को शनिवार, 10 अक्टूबर की सुबह गुरुग्राम स्थित उनके आवास से पुलिस अपने साथ ले गई थी। रविवार को रिहा होने के बाद उन्होंने वीडियो जारी कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। ध्रुव राठी को हिरासत में लिए जाने की घटना दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़ी है। प्रदर्शन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही थी। प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची में संशोधन और चुनावी प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए थे। सीजेपी के प्रमुख नेताओं को भी दिल्ली में हिरासत में लिया गया था। इस घटनाक्रम के बाद पुलिस की कार्रवाई, प्रदर्शन के अधिकार और नागरिक स्वतंत्रता को लेकर बहस तेज हो गई है। ध्रुव राठी ने अपने वीडियो में इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला बताया। उनका कहना है कि यदि किसी नागरिक को अपनी बात रखने या शांतिपूर्ण प्रदर्शन में भाग लेने के कारण इस तरह की कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, तो यह चिंता का विषय है। फिलहाल, इस



‘करीब 20 घंटे तक रखा गया’ यूट्यूबर ने दावा किया कि उन्हें लगभग 20 से 23 घंटे तक अपने मोबाइल फोन और वकील से संपर्क किए बिना रखा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जबरन ले जाए जाने के दौरान उन्हें चोटें आईं। ध्रुव राठी ने कहा कि यदि पुलिस उन्हें किसी कानूनी प्रक्रिया के तहत अपने साथ ले जाना चाहती थी, तो उसे अपनी पहचान बताकर कार्रवाई का आधार स्पष्ट करना चाहिए था। उन्होंने इसी आधार पर अपनी कार्रवाई को गिरफ्तारी के बजाय अपहरण बताया। हालांकि, ये आरोप ध्रुव राठी की ओर से लगाए गए हैं। घटनाक्रम के सभी पहलुओं की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस का विस्तृत पक्ष सामने आना जरूरी है।

मामले में ध्रुव राठी के आरोपों और पुलिस की कार्रवाई से जुड़े तथ्यों का निष्पक्ष परीक्षण महत्वपूर्ण है। आने वाले समय में संबंधित

पासपोर्ट दिखाकर नागरिकता पर दी सफाई

वीडियो में ध्रुव राठी ने अपना पासपोर्ट दिखाया और अपनी नागरिकता को लेकर फैल रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह भारतीय नागरिक हैं और उन्हें भी देश के अन्य नागरिकों की तरह समान अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने उन खबरों और दावों को खारिज किया, जिनमें उनकी नागरिकता को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। राठी ने कहा कि उनकी नागरिकता के बारे में गलत जानकारी फैलाकर मामले को दूसरी दिशा देने की कोशिश की जा रही है।

‘सोते समय घर में घुसे सादे कपड़ों में लोग’

ध्रुव राठी ने आरोप लगाया कि शनिवार सुबह जब वह अपने घर में सो रहे थे, तभी सादे कपड़ों में कई लोग उनके घर में घुस आए। उन्होंने दावा किया कि उनकी मां को धक्का दिया गया और उन्हें बिना पूरी बात समझने का मौका दिए उनके कमरे से बाहर ले जाया गया। राठी के मुताबिक, उन्हें न तो चप्पल पहनने का समय दिया गया और न ही अपने वकील से बात करने का अवसर मिला। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनका मोबाइल फोन ले लिया गया और उन्हें अलग-अलग पुलिस ठिकानों पर ले जाया गया।

अधिकारियों का पक्ष और कानूनी प्रक्रिया इस विवाद की आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके मुंबई रवाना, बोले- दिल्ली को ठप कर दिया गया

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके दिल्ली में हिरासत से रिहा होने के बाद मुंबई के लिए रवाना हो गए। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रस्तावित प्रदर्शन के बीच दिपके और पार्टी के दो अन्य नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया था। रविवार को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए जाने के बाद तीनों नेताओं को रिहा कर दिया गया। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर सवाल उठाते हुए प्रदर्शन का आह्वान किया था। मुंबई रवाना होने से जुड़ी खबर में अभिजीत दिपके ने दिल्ली में लगाए गए प्रतिबंधों और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल



दास को पुलिस ने विमान के दिल्ली में उतरने के बाद हिरासत में ले लिया था। पुलिस ने यह कार्रवाई एहतियातन की थी। इसके बाद तीनों नेताओं को दिल्ली केंद्र पुलिस स्टेशन में कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। मुंबई रवाना होने से जुड़ी खबर में अभिजीत दिपके ने दिल्ली में लगाए गए प्रतिबंधों और पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन को रोकने के लिए राजधानी में बड़े पैमाने पर पाबंदियां लगाई गईं, जिससे आम लोगों की आवाजाही और सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं। सीजेपी की ओर से प्रदर्शनकारियों को रोकने और नेताओं को हिरासत में लेने की कार्रवाई की आलोचना की गई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई। सीजेपी का प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूची में संशोधन से जुड़े सवालों पर केंद्रित है। पार्टी और प्रदर्शनकारियों ने चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर आपत्तियां उठाई हैं। इन आरोपों पर संबंधित संस्थाओं का पक्ष और उपलब्ध तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि महत्वपूर्ण है।

कानून से ऊपर कोई नहीं, चुनाव हारने पर संवैधानिक संस्थाओं को दोषी ठहराता है विपक्ष: अनुराग ठाकुर

एजेंसी

कांगड़ा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन और एसआईआर प्रक्रिया के विरोध को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि

लोकतंत्र में हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए निर्धारित नियमों और कानूनों का पालन करना जरूरी है। सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि उन्होंने युवा मोर्चा से लेकर भाजपा तक कई

विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। ऐसे प्रदर्शनों के लिए अनुमति लेनी होती है और इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या की जानकारी भी देनी पड़ती है। कोई भी व्यक्ति या संगठन कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और चुनावी

व्यवस्था पर सवाल उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कुछ लोग यह सोचते हैं कि उन्हें किसी को जानकारी देने की जरूरत नहीं है और वे संस्थाओं, नियमों तथा कानून से ऊपर हैं, तो देश इस तरह नहीं चल सकता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को नियमों का पालन करना चाहिए। मतदाता

सूची की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर भाजपा सांसद ने कहा कि नियमों के अनुसार कोई भी विरोध कर सकता है और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के लिए झूठ का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए।

मनोरंजन अमिताभ बच्चन के 84वें जन्मदिन पर विशेष आज भी जारी है सदी के महानायक का शानदार फिल्मी सफर!

प्रयागराज की गलियों से बॉलीवुड के शिखर तक, 84 की उम्र में भी वही जज्बा



हिंदी सिनेमा के शहंशाह, ‘सदी के महानायक’ अमिताभ बच्चन आज 84 वर्ष के हो गए। 11 अक्टूबर 1942 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में जन्मे अमिताभ आज भी करोड़ों दिलों की धड़कन हैं। हर साल जन्मदिन पर मुंबई में उनके आवास ‘जलसा’ के बाहर प्रशंसकों का सैलाब उमड़ता है, और बिग बी बाहर आकर हाथ जोड़कर उनका आभार जताते हैं। अमिताभ को संस्कार और साहित्य विरासत में मिले। उनके पिता, कवि डॉ. हरिवंश राय बच्चन, ‘मधुशाला’ जैसी अमर रचना के रचयिता थे और माता तेजी बच्चन समाजसेवा से जुड़ी थीं। नैनीताल के शेरवुड कॉलेज और दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज में पढ़ाई के बाद उन्होंने कोलकाता में नौकरी की, पर मन में अभिनय का सपना पलता रहा। पिता से यह जुड़ाव आज भी उतना ही गहरा है। पिछले साल जन्मदिन पर उन्होंने अपने ब्लॉग में पोलैंड के ब्रोकला शहर से मिला वीडियो साझा किया था, जहां 2020 में एक चौराहे का नाम हरिवंश राय बच्चन के नाम पर रखा गया। 1969 में ‘सात हिंदुस्तानी’ से फिल्मी सफर शुरू हुआ, पर शुरुआती वर्षों में सफलता आसान नहीं थी। कद और भारी आवाज के कारण उन्हें कई बार ठुकराया गया। किस्मत का पासा 1973 में ‘जंजीर’ से पलटा, जिसने उन्हें ‘एंग्री यंग मैन’ की पहचान दी। इसके बाद ‘दीवार’, ‘शोले’, ‘डॉन’, ‘अमर अकबर एंथनी’, ‘मुकद्दर का सिकंदर’ और ‘कुली’ जैसी फिल्मों ने उन्हें हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा सितारा बना दिया। 1982 में ‘कुली’ की शूटिंग के दौरान हुए गंभीर हादसे ने उन्हें जीवन और मृत्यु के बीच ला खड़ा किया। देशभर में लोगों ने दुआएं कीं और अमिताभ ठीक होकर लौटे। यह वापसी उनके अदम्य साहस की मिसाल है। 2000 में ‘कौन बनेगा करोड़पति’ के साथ वे छोटे परदे पर आए और अपनी गरिमा, विनम्रता और आवाज से घर-घर में जगह बनाई। इसके बाद ‘मोहब्बतें’, ‘ब्लैक’, ‘पा’, ‘पीकू’, ‘पिक’, ‘बदला’ और ‘कल्कि 2898.8’ जैसी फिल्मों में उन्होंने दिखाया कि सच्चा कलाकार उम्र से नहीं, काम से पहचाना जाता है। हाल ही में वे ‘120 बहादुर’ में भी नजर आए, जो 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजेंट ला की लड़ाई पर बनी फिल्म है और नवंबर 2025 में रिलीज हुई। इस साल की शुरुआत में केबीसी के साथ उनके सफर का एक और अध्याय पूरा हुआ। कौन बनेगा करोड़पति के 17वें सीजन का ग्रैंड फिनाले 2 जनवरी 2026 को प्रसारित हुआ, जिसमें अमिताभ बेहद भावुक दिखे। उन्होंने दर्शकों का आभार जताते हुए कहा कि अपने जीवन का एक तिहाई से अधिक हिस्सा इस मंच पर लोगों के साथ बिताना उनके लिए सौभाग्य की बात है। 84 की उम्र में भी उनके पास प्रोजेक्ट्स की कमी नहीं है। 2026 और 2027 में उनकी कई फिल्मों आने वाली हैं, जिनमें साइंस फिक्शन, थ्रिलर, कोर्टरूम ड्रामा और पौराणिक कथाओं पर आधारित फिल्में शामिल हैं। रिपोर्टों के अनुसार कोर्टरूम थ्रिलर ‘सेक्शन 84’ 19 नवंबर 2026 को रिलीज होने वाली है, और वे रणबीर कपूर की पौराणिक फिल्म ‘रामायण: पार्ट 1’ में भी दिखाई देंगे। ‘कल्कि 2898.8’ के दूसरे भाग में उनकी वापसी की भी चर्चा है। अमिताभ बच्चन को पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है। 2019 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से नवाजा गया। कई राष्ट्रीय और फिल्मफेयर पुरस्कार भी उनके नाम हैं। 84 की उम्र में भी उनकी दिनचर्या, समय की पाबंदी और काम के प्रति समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणा है। वे अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया से प्रशंसकों से जुड़े रहते हैं। रविवार को प्रशंसकों से मिलने की उनकी परंपरा भी बेहद मशहूर है। संगम की नगरी का यह बेटा पूरे उत्तर प्रदेश और देश का गौरव है। उनकी कहानी बताती है कि प्रतिभा, मेहनत और धैर्य के बल पर कोई भी ऊंचाई छुई जा सकती है। अमिताभ बच्चन सिर्फ एक अभिनेता नहीं, भारतीय सिनेमा की एक संस्था हैं। 84वें जन्मदिन पर पूरा देश उन्हें स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु होने की शुभकामनाएं देता है। जन्मदिन मुबारक, बिग बी!

-डॉ. अखंड प्रताप सिंह